अल्ट्रासाउंड और PCPNDT — प्रमुख तथ्य

स्वास्थ्य और समाज (प्रारंभिक परीक्षा: सामान्य अध्ययन) | समाचार संदर्भ: 22 जून 2026 | प्रकाशित: 24 अक्टूबर 2026

खबरों में क्यों

जून 2026 में स्वास्थ्य-विशेषज्ञों ने एक संतुलन की बात उठाई: गांवों तक पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड से जांच की पहुंच कैसे बढ़े, और उसी तकनीक से प्रसवपूर्व लिंग-निर्धारण का दुरुपयोग कैसे रुके। मूल प्रश्न था कि नई तकनीक के वैध चिकित्सा लाभ को बढ़ाते हुए उसके गलत इस्तेमाल पर असरदार रोक कैसे बनी रहे।

यह विशेषज्ञों की नीतिगत राय थी, न कि संसद में नया संशोधन पारित होने की खबर। सुधार की मांग को पहले से मिली हुई छूट या बिना पंजीकरण मशीन चलाने की अनुमति नहीं समझना चाहिए।

अल्ट्रासाउंड क्या करता है?

अल्ट्रासाउंड ध्वनि-तरंगों की मदद से शरीर के अंदर की संरचनाओं की तस्वीर बनाने वाली तकनीक है। इसका काम केवल गर्भावस्था देखना नहीं है। स्तन की गांठ जैसे लक्षणों के प्रारंभिक मूल्यांकन और कुछ चिकित्सा प्रक्रियाओं में भी यह सहायक होता है।

पर तस्वीर में कोई संदिग्ध बदलाव दिख जाना अंतिम निदान, मसलन कैंसर की पुष्टि, नहीं होता। रोगी की जांच, उचित अगले परीक्षण और जरूरत पड़ने पर ऊतक-जांच जैसे चरण अपनी जगह जरूरी रहते हैं। मशीन तक पहुंच बढ़ जाना पूरी इलाज-व्यवस्था की जगह नहीं ले सकता।

मुख्य तथ्य

- **अल्ट्रासाउंड:** ध्वनि-तरंगों से शरीर के अंदर की संरचना की छवि बनाने वाली चिकित्सा तकनीक; गर्भावस्था और कई बीमारियों की जाँच में उपयोगी।
- **PCPNDT अधिनियम, 1994:** गर्भ में भ्रूण का लिंग बताने और लिंग-चयन पर रोक लगाने वाला भारतीय कानून; पूर्ण नाम: गर्भधारण-पूर्व और प्रसव-पूर्व निदान-तकनीक (लिंग चयन प्रतिषेध) अधिनियम।
- **वैध बनाम निषिद्ध:** चिकित्सकीय जरूरत पर अल्ट्रासाउंड वैध; भ्रूण का लिंग बताना या लिंग-चयन में उपयोग दंडनीय।
- **पंजीकरण:** संबंधित केंद्रों/क्लिनिकों का पंजीकरण और उपकरण की बिक्री तथा उपयोग पर लागू शर्तें महत्वपूर्ण हैं; पोर्टेबल उपयोग भी लागू नियमों के अधीन है।
- **पोर्टेबल मशीनें:** छोटी/मोबाइल मशीनों से दूरस्थ इलाकों में जाँच संभव, पर निगरानी कठिन — यही विनियामक चुनौती है।
- **नीतिगत राय:** विशेषज्ञ प्रक्रियागत चूक और जानबूझकर दुरुपयोग में अंतर की मांग करते हैं; यह मौजूदा दंड से स्वतः छूट नहीं।

परीक्षा की दृष्टि से

प्रारंभिक परीक्षा के लिए याद रखने योग्य: अल्ट्रासाउंड की वैध चिकित्सा भूमिका, PCPNDT कानून का उद्देश्य (लिंग-भ्रूण हत्या रोकना) और पंजीकरण-अनुपालन के प्रमुख बिंदु। पोर्टेबल तकनीक की संभावना-जोखिम, वैध-निषिद्ध उपयोग का अंतर और कार्यान्वयन के प्रश्नों का विश्लेषण मुख्य परीक्षा लेख में (लिंक नीचे स्रोत में)।

प्रारंभिक परीक्षा अभ्यास:

प्रश्न 1. अल्ट्रासाउंड और PCPNDT ढाँचे के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. अल्ट्रासाउंड का उपयोग केवल गर्भावस्था की जाँच के लिए होता है।
2. पोर्टेबल मशीन के उपयोग में पंजीकरण और लागू शर्तें महत्वपूर्ण हो सकती हैं।
3. कानूनी सुधार की विशेषज्ञ माँग अपने आप लागू विधिक छूट नहीं बनती।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर और कारण देखें
उत्तर: (b) केवल 2 और 3।
अल्ट्रासाउंड के अन्य चिकित्सा उपयोग भी हैं। तकनीकी उपयोग की संभावना और वैधानिक अनुमति अलग प्रश्न हैं।

स्रोत और सीमाएँ

- द हिंदू 22 जून (अद्यतन 23 जून) 2026 की विशेषज्ञ राय: पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड की पहुँच और कानूनी सुधार की चर्चा (पढ़ा): मूल स्रोत खोलें
- इंडिया कोड: गर्भधारण पूर्व और प्रसवपूर्व निदान-तकनीक (लिंग चयन प्रतिषेध) अधिनियम 1994 – परिभाषाएँ और धारा 3B, 4-6, 18, 23, 25, 27, 29 (पढ़े गए खंड): मूल स्रोत खोलें
- MoHFW/UNFPA 2016 संचालन दिशानिर्देश: पोर्टेबल उपयोग, नियम 3B और मोबाइल चिकित्सा इकाई की शर्तें (पढ़े गए खंड): मूल स्रोत खोलें
- IARC 24 मई 2022: गैर-रेडियोलॉजिस्ट चिकित्साकर्मियों को पोर्टेबल स्तन-अल्ट्रासाउंड प्रशिक्षण की शोध-परियोजना (पढ़ा): मूल स्रोत खोलें
- WHO (अफ्रीका क्षेत्र) 2026: संदिग्ध स्तन कैंसर के प्रारंभिक मूल्यांकन और रेफरल का ढाँचा (पढ़े गए खंड): मूल स्रोत खोलें
- इंडिया कोड: केंद्रीय अधिनियम सूची में अधिनियम का आधिकारिक विवरण (पढ़ा): मूल स्रोत खोलें
- **सीमाएँ:** जून 2026 की चर्चा विशेषज्ञों की नीतिगत राय है, नया कानून या पारित संशोधन नहीं; कोई जून 2026 संशोधन सत्यापित नहीं हुआ। अस्पताल से बाहर हर पोर्टेबल उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध का दावा नहीं – नियम 3B के अंतर्गत मोबाइल चिकित्सा इकाई का विनियमित मार्ग है; 2016 के दिशानिर्देश दिनांकित हैं, वर्तमान स्थानीय अनुमति का प्रमाण नहीं। धारा 25 में अधिकतम तीन माह है, न्यूनतम नहीं; किसी उपकरण के दुरुपयोग-असंभवता, किसी पायलट के 100% परिणाम या तकनीक के कारण मृत्यु-दर का दावा नहीं किया गया। प्रारंभिक मूल्यांकन निश्चित कैंसर-निदान नहीं; IARC का कार्य शोध-प्रशिक्षण है, राष्ट्रीय मंजूरी नहीं; WHO का अफ्रीका-क्षेत्र दिशानिर्देश भारत की नीति नहीं। कोई कानूनी अनुमति या व्यक्तिगत चिकित्सा सलाह नहीं।

इसी विषय का मुख्य परीक्षा (विश्लेषण) लेख: अल्ट्रासाउंड की पहुँच और लिंग-चयन रोकथाम: तकनीक, कानून और संतुलन